

सेना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग पर वैश्विक सम्मेलन

प्रलिस के लिये:

REAIM 2023, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उत्तरदायी AI।

मेन्स के लिये:

REAIM 2023, सेना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग करने के पक्ष और विपक्ष में तर्क, AI के लिये नैतिक सिद्धांत।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सेना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उत्तरदायी उपयोग पर विश्व का पहला अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (REAIM 2023) हेग, नीदरलैंड में आयोजित किया गया था।

शिखर सम्मेलन के मुख्य बंदी:

विषय वस्तु:

- मथिबसटिग AI: बरेकगि डाउन द एआई की विशेषताओं को तोड़ना
- उत्तरदायी तैनाती और AI का उपयोग
- शासन ढाँचा

उद्देश्य:

- 'सैन्य क्षेत्र में उत्तरदायी AI' के विषय को राजनीतिक एजेंडे में ऊपर रखना;
- संबंधित अगले कदमों में योगदान करने के लिये हतिधारकों के एक वसित्त समूहों को एकीकृत और सक्रिय करना;
- अनुभवों, सर्वोत्तम प्रथाओं और समाधानों को साझा करके ज्ञान को बढ़ावा देना और तीव्र करना।

प्रतभागी:

- दक्षिण कोरिया द्वारा सह-आयोजित सम्मेलन में 80 सरकारी प्रतिनिधिमंडलों (अमेरिका और चीन सहित) और 100 से अधिक शोधकर्ताओं और रक्षा व्यवसायियों मेज़बानी की गई।
 - भारत शिखर सम्मेलन में भागीदार नहीं था।
- REAIM 2023 जागरूकता बढ़ाने, मुद्दों पर चर्चा करने और सशस्त्र संघर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की तैनाती और उपयोग में सामान्य सिद्धांतों पर सहमत होने के लिये सरकारों, नगिर्मों, शक्तिषाविदों, स्टार्टअप्स और नागरिक समाजों को एक साथ लाया है।

कॉल ऑन एक्शन:

- AI के उपयोग से उत्पन्न होने वाले जोखिमों को कम करने के लिये बहु-हतिधारक समुदाय से सामान्य मानकों का निर्माण करने की अपील की गई है।
- अमेरिका ने सैन्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के ज़िम्मेदार उपयोग का आह्वान किया है और एक घोषणा का प्रस्ताव दिया जिसमें 'मानव जवाबदेही' शामिल होगी।
- प्रस्ताव में कहा गया है कि AI-हथियार प्रणालियों में "मानव नरिणय के उचित स्तर" शामिल होने चाहिये।
 - अमेरिका और चीन ने 60 से अधिक देशों के साथ घोषणा पर हस्ताक्षर किये हैं।

अवसर और चिंताएँ:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमारी दुनिया में मौलिक बदलाव ला रहा है, जिसमें सैन्य डोमेन भी शामिल है।
- जबकि AI प्रौद्योगिकियों का एकीकरण मानव क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिये अभूतपूर्व अवसर पैदा करता है, विशेष रूप से नरिणय लेने के मामले में, यह पारदर्शिता, विश्वसनीयता, भविष्यवाणी, उत्तरदायित्व और पूर्वाग्रह जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कानूनी, सुरक्षा संबंधी तथा नैतिक चिंताओं को भी उठाता है।
- उच्च जोखिम वाले सैन्य संदर्भ में ये आशंकाएँ बढ़ गई हैं।

AI की समाधान के रूप में व्याख्या:

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली से पूर्वाग्रह को दूर करने हेतु शोधकर्ताओं ने 'व्याख्यात्मकता (Explainability)' का सहारा लिया है।
- व्याख्यात्मक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नरिणय लेने के तरीके के बारे में जानकारी की कमी को दूर कर सकता है।

- यह बदले में पूर्वाग्रहों को दूर करने और एल्गोरिथम को नष्पिकष बनाने में मदद करेगा। साथ ही अंतमि नरिणय लेने की ज़मिमेदारी एक मानव के पास रहेगी।

नैतिक सिद्धांतों के आधार पर AI की ज़मिमेदारी का नरिधारण:

- AI वकिस और परनियोजन हेतु नैतिक दिशानरिदेश:
 - यह सुनशिचति करने में मदद कर सकता है कि डेवलपर्स तथा संगठन समान नैतिक मानकों पर काम कर रहे हैं और कृत्रमि बुद्धमिता प्रणाली को नैतिकता को ध्यान में रखकर डिज़ाइन कया गया है।
- जवाबदेही तंत्र:
 - डेवलपर्स और संगठनों को उनके कृत्रमि बुद्धमिता प्रणाली के प्रभाव हेतु जवाबदेह ठहराया जाना चाहयि।
 - इसमें ज़मिमेदारी और उत्तरदायित्व की स्पष्ट नरिधारण करना, साथ ही उत्पन्न होने वाली कसि भी घटना या समस्या हेतु रपिर्गि तंत्र बनाना शामिल हो सकता है।
- पारदर्शता को बढ़ावा दिया जाना:
 - AI प्रणाली को पारदर्शी होना चाहयि, वशिषकर उनकी नरिणय प्रक्रया और इस प्रक्रया के लयि उनके द्वारा उपयोग कयि जाने वाले डेटा के सदर्भ में।
 - इससे यह सुनशिचति करने में मदद मलि सकती है कि AI प्रणाली नष्पिकष हैं और कुछ वशिष समूहों अथवा वयक्तयिों के प्रति पक्षपाती नहीं हैं।
- गोपनीयता की रकषा:
 - AI ससिस्टम द्वारा उपयोग कयि जाने वयक्तयिों की गोपनीयता की रकषा के लयि संगठनों को आवश्यक कदम उठाने चाहयि।
 - इसमें अज्ञात डेटा का उपयोग करना, वयक्तयिों से सहमति प्राप्त करना और स्पष्ट डेटा सुरक्षा नीतयिों स्थापति करना शामिल कया जा सकता है।
- वविधि हतिधारकों को शामिल करना:
 - AI के वकिस और परनियोजन में वविधि प्रकार के हतिधारकों को शामिल करना महत्त्वपूर्ण है, जसिमें वभिन्न पृष्ठभूमि और दृष्टिकोण वाले वयक्त शामिल हों।
 - इससे यह सुनशिचति करने में मदद मलगी कि AI प्रणाली को वभिन्न समूहों की जरूरतों और चतिओं को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन कया जाए।
- नयिमति नैतिक लेखा-परीक्षण करना:
 - संगठनों को यह सुनशिचति करने के लयि अपने AI प्रणाली का नयिमति लेखा-परीक्षण करना चाहयि कि वे नैतिक सिद्धांतों और मूलयों के अनुरूप हैं अथवा नहीं। यह अपेक्षति सुधार के लयि कसि भी मुद्दे अथवा कषेत्रों की पहचान करने में मदद कर सकता है और यह सुनशिचति कर सकता है कि AI प्रणाली नैतिक और ज़मिमेदार तरीके से काम करना जारी रखे।

[स्रोत: द हद्रि](#)